दिनांक–03 दिसम्बर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल कर सेवा तीर्थ किया। अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाने जाएंगे राज भवन और राज निवास।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रि परिषद ने प्रदेश के सभी मंडलों में नए दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने को दी मंजूरी। अयोध्या में बावन एकड़ जमीन में बनेगा श्रीराम मंदिर संग्रहालय।
- वाराणसी में काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण का पहला चरण शुरू। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, मुख्यमंत्री और केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन बने उद्घाटन समारोह का हिस्सा।
- केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संचार साथी ऐप को पूरी तरह से लोकतांत्रिक बताया। कहा–प्रत्येक नागरिक की डिजिटल सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता।

****

सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया है। साथ ही राजभवन और राजनिवास अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाने जाएंगे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि यह पहल सेवा और सुशासन को सर्वोपरि रखते हुए विकसित तथा हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की स्वर्णिम यात्रा में एक अहम पड़ाव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस फैसले का स्वागत किया है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कल हुई मंत्रि परिषद की बैठक में लोकहित से जुड़े बीस प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में राज्य के सभी अठारह मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा तथा उनके पुनर्वास की प्रक्रिया मजबूत होगी।

प्रदेश के प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के संबंध में इसमें खास तौर से जो दिव्यांग जनों का सर्वेक्षण चिन्हांकन दिव्यांग शिविरों का आयोजन सहायक उपकरणों की मरम्मत कृतिम अंग सहायक उपकरण युक्त चिन्हांकन फिटमेंट चाल उपयोग प्रशिक्षण निर्माण के वितरण दिव्यांगता की रोकथाम जागरूकता प्रारंभिक पहचान और सक्रिय हस्तक्षेप सरकारी योजनाओं का सौम्यता पूर्वक लाभ प्राप्त करने में सहायता जो हर मंडल मुख्यालय के ऊपर इस प्रकार का केंद्र बनने का एक प्रस्ताव है।

मंत्रि परिषद ने अयोध्या में प्रस्तावित राम मंदिर संग्रहालय के लिए बावन एकड़ जमीन देने पर भी मुहर लगा दी ।

****

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन कराए जाने के संबंध में इसमें टाटा एंड संस को 25 एकड़ जमीन दी गई थी 15 मार्च 2024 तो उन्होंने यह अपेक्षा की कि इसमें हमारे लिए स्थान कम पड़ेगा जो उनका बहुत वृहद दृष्टिकोण है उसके हिसाब से उन्होंने जमीन को बढ़ाए जाने के लिए आग्रह किया था तो उसी संदर्भ में अब जो नया लीज एग्रीमेंट जो है वह इस बात के लिए हुआ है कि अब 52.102 एकड़ विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय मालिक के जमा है, उसको जमीन दी जा रही है।

कैबिनेट ने राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले राज्य के नियुक्त खिलाड़ियों को राहत दी है। इसके लिए सरकार नई प्रणाली लागू करेगी, जिसमें नियुक्त खिलाड़ियों के राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप अथवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने की अवधि को सेवा अवधि ही माना जाएगा।

****

प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण–एसआईआर अभियान के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। एक रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–एसआईआर को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 12.69 करोड़ से अधिक यानी लगभग 82 प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। साथ ही अब तक 28,491 बूथों पर शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य बीएलओ द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपील की है कि ऐसे मतदाता जिन्होंने अभी तक अपना गणना प्रपत्र बीएलओ को उपलब्ध नहीं कराया है, वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द गणना प्रपत्र भरकर अपने बीएलओ को उपलब्ध करा दें। समाचार कक्ष से विवेक सिंह

****

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल वाराणसी में चौथे काशी तमिल संगमम का उद्घाटन किया। तमिलनाडु के एक हजार चार सौ से अधिक प्रतिनिधि इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष दो हजार बाइस में काशी तमिल संगमम का पहला संस्करण शुरू किया था, जिसने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक सांस्कृतिक सेतु की नींव रखी।

दुनिया देखनी चाहिए, काशी की गर्म जोशी क्या है? काशी की रूप क्या है? मित्रों, इस पहचान को हमें सिर्फ एक इवेंट तक सीमित नहीं रखनी चाहिए। हमारी भारत में कोस–कोस पर पानी बदलता है और चार कोस पर वाणी बदलता है। हमारी बहुभाषीय आयाम हमारी भारत को एकता में बांधने का एक रूप दिया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा इस कार्यक्रम से आम लोग काशी और तमिल की संस्कृतियों के साथ–साथ सरकार द्वारा जन कल्याण के लिये किये जा रहे प्रयासों से अवगत होंगे।

काशी तमिल संगमम का ये चतुर्थ संस्करण का आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत के उस संकल्प को सुदृढ़ करने वाला और जीवंत बनाने वाला है। जो प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर देशवासियों को दिया था। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और आध्यात्मिक साझेदारी को सशक्त करते हुए भारत के उज्जवल भविष्य के नए द्वार खोल रहा है।

केन्द्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉक्टर एल मुरूगन भी उदघाटन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर डॉक्टर मुरूगन ने हिन्दी भाषा सीखने की इच्छा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री जी ने इधर बच्चों को तमिल सीखने का अवसर दिया। बट हमारा तमिलनाडु में किसी राजनीति के कारण से हम हिन्दी सीख नहीं पाया। नई दिल्ली आके थोड़ा–थोड़ा हिन्दी सीखा। मैं सीखूंगा हिन्दी हमारा राइट है बट उधर आपार्च्युनिटी नहीं है। मुख्यमंत्री जी हर साल आप ने तमिल संगमम इधर करें और इस बार हम कन्क्ल्यूजन रामेश्वरम में करेंगे। आपका रामेश्वरम में बहुत दृ बहुत स्वागत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी तमिल संगमम की शुरुआत पर शुभकामनाएं दीं। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत करता है।

****

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि संचार साथी ऐप पूरी तरह से लोकतांत्रिक है। श्री सिंधिया ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक की डिजिटल सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि संचार साथी ऐप और पोर्टल है, जो नागरिकों को पारदर्शी और उपकरणों के माध्यम से खुद को सुरक्षित रखने में सक्षम बनाता है।

****

प्रदेश के पश्चिमी जिलों में में ग्यारह दिसम्बर तक गन्ना किसानों से सम्बन्धित कृषि चौपाल के आयोजन किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत एक दिसम्बर को बागपत में लगे कृषि चौपाल से हुयी। एक रिपोर्ट–

पहली कृषि चौपाल का आयोजन बागपत में किया गया, जहां किसानों ने बढ़ाए गए गन्ना मूल्य के लिए सरकार का आभार जताया। कृषि चौपाल का आयोजन बागपत के अलावा हापुड़, शामली और मुजफ्फरनगर में किया जा रहा है। इन चारों जनपदों में दो–दो कृषि चौपाल लगेंगी। पांच व छह दिसंबर को हापुड़, 7 व 8 को शामली और 10 व 11 दिसंबर को मुजफ्फरनगर में किसानों के लिए चौपाल लगाई जाएगी। इन कृषि चौपालों की कमान किसान ही संभालेंगे। इनमें किसानों की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। यहां हुई चर्चा के आधार पर सरकार कृषि क्षेत्र और किसानों के हितों के लिए कदम उठाएगी। समाचार कक्ष से तनवीर फातिमा।

****

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में प्रदेश के भीतर न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस के गिरावट की संभावना जताई है। इससे ठंड में और भी बढ़ोत्तरी होगी।

****